स्मार्ट डिजिटल लर्निंग किट

श्री आशीष प्रताप सिंह (सहायक अध्यापक)
प्राथमिक विद्यालय दौतरा, विकास खण्ड – महराजगंज,
जनपद – रायबरेली, उत्तर प्रदेश

उद्देश्य –

डिजिटल युग ने शिक्षा को पुस्तकों और ब्लैकबोर्ड की सीमाओं से आगे बढ़ाकर देखने, सुनने, अनुभव करने और स्वयं खोजकर सीखने की नई संभावनाएँ प्रदान की हैं। फिर भी ग्रामीण प्राथमिक विद्यालयों में सीमित संसाधनों के कारण विद्यार्थियों तक ऐसी तकनीक की सहज पहुँच आज भी एक चुनौती है।

प्राथमिक विद्यालय दौतरा में शिक्षण मुख्यतः पारंपरिक विधियों पर आधारित था। कक्षा शिक्षण में विद्यार्थियों को हिंदी, अंग्रेजी, गणित एवं पर्यावरण अध्ययन की अवधारणाओं को सहजता से समझने के साथ सक्रिय सहभागिता, रचनात्मकता एवं डिजिटल दक्षता विकसित करने के अधिक अवसरों की आवश्यकता थी। अधिकांश विद्यार्थियों के घरों में उपलब्ध स्मार्टफोन का उपयोग भी मुख्यतः मनोरंजन और सोशल मीडिया तक सीमित था। विद्यार्थियों में स्मार्टफोन का शैक्षिक उपयोग करने की समझ और डिजिटल अनुशासन का अभाव था।

इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए विद्यालय में कम लागत वाली "स्मार्ट डिजिटल लर्निंग किट" विकसित की गई। इस नवाचार के माध्यम से विद्यार्थियों को देखकर, सुनकर, स्कैन करके, अनुभव करके तथा स्वयं खोजकर सीखने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराए गए हैं। परिणामस्वरूप शिक्षण अधिक सरल, रुचिपूर्ण, अनुभवात्मक एवं बाल-केंद्रित बन गया है। साथ ही विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को स्मार्ट फोन का सकारात्मक एवं शैक्षिक उपयोग करने के लिए प्रेरित एवं प्रशिक्षित किया गया है, जिससे विद्यालय के साथ-साथ घर पर भी डिजिटल अधिगम की संस्कृति सफलतापूर्वक विकसित हुई है।

क्रियान्वयन –

"स्मार्ट डिजिटल लर्निंग किट" के माध्यम से क्यू.आर. लर्निंग कॉर्नर, ए.आर. लर्निंग कॉर्नर, वी.आर. लर्निंग कॉर्नर तथा एजुकेशनल ऐप लर्निंग कॉर्नर जैसे चार डिजिटल लर्निंग कॉर्नर्स को नियमित शिक्षण प्रक्रिया से जोड़ा गया। इन चारों डिजिटल माध्यमों के समन्वित प्रयोग ने सामान्य कक्षा को एक जीवंत, आकर्षक एवं रुचिपूर्ण डिजिटल लर्निंग वातावरण में परिवर्तित कर दिया।

क्यू.आर. लर्निंग कार्नर ए.आर. लर्निंग कार्नर वी.आर. लर्निंग कार्नर एजुकेशनल ऐप कार्नर

स्मार्ट डिजिटल लर्निंग किट के कॉर्नर्स

क्यू.आर. लर्निंग कॉर्नर में विषयवार हिंदी, अंग्रेजी, गणित एवं पर्यावरण अध्ययन के रंगीन क्यू.आर. लर्निंग कार्ड्स तैयार किए गए, जिन्हें स्कैन करके बच्चों को हिंदी में वर्णमाला, शब्द, कहानियाँ एवं पठन सामग्री; अंग्रेजी में अल्फाबेट्स, वर्ड्स एवं राइम्स; गणित में गिनती, पहाड़े एवं शैक्षिक खेल तथा पर्यावरण अध्ययन (ई.वी.एस.) से जुड़े विभिन्न विषयों से संबंधित उपयोगी डिजिटल शैक्षिक सामग्री आसानी से उपलब्ध हुई। "स्कैन एंड लर्न" गतिविधि ने विद्यार्थियों को स्वयं खोजने और अपनी गति से सीखने का अवसर प्रदान किया।

ऑगमेंटेड रियलिटी (ए.आर.) लर्निंग कॉर्नर ने सीखने को और अधिक जीवंत बनाया। एआरलूपा, एनिमल एआर थ्री-डी सफारी, सोलर सिस्टम स्कोप तथा मोज़ाइक थ्री-डी जैसे ऐप्स की सहायता से जानवरों, मानव शरीर, सौरमंडल तथा पर्यावरण से जुड़ी विभिन्न अवधारणाओं को थ्री-डी रूप में प्रस्तुत किया गया। जो विषय पहले केवल चित्रों और शब्दों तक सीमित थे, वे अब विद्यार्थियों के सामने त्रि-आयामी एवं अनुभवात्मक रूप में उपस्थित होने लगे।

वर्चुअल रियलिटी (वी.आर.) लर्निंग कॉर्नर के अंतर्गत साप्ताहिक "वी.आर. एक्टिविटी डे" प्रारंभ किया गया। मोबाइल एवं वी.आर. बॉक्स की सहायता से सेंस एक्सआर प्ले, वी०आर० प्लेयर एम.डब्ल्यू. तथा वी.आर. वीडियो प्लेयर के माध्यम से विद्यार्थियों को अंतरिक्ष, समुद्र, प्राकृतिक स्थलों तथा विभिन्न 360° वर्चुअल अनुभवों से जोड़ा गया। इससे विद्यालय की कक्षा में विद्यार्थियों के लिए खोज, कल्पना और अनुभव की एक नई दुनिया खुल गई।

इसके साथ ही **एजुकेशनल ऐप लर्निंग कॉर्नर** में दीक्षा, रीड अलॉन्ग, डुओलिंगो, मैथ किड्स, हिंदी किड्स तथा टिंकर जूनियर जैसे शैक्षिक ऐप्स को मॉर्निंग वार्म-अप, रीडिंग प्रैक्टिस, मैथ गेम सेशन एवं डिजिटल एक्टिविटीज़ के रूप में नियमित शिक्षण का हिस्सा बनाया गया। इससे भाषा, पठन, गणित, तार्किक चिंतन तथा प्रारंभिक कोडिंग जैसे कौशल खेल-खेल में विकसित होने लगे।

स्मार्ट डिजिटल लर्निंग किट के समस्त कॉर्नर्स का कक्षा शिक्षण में नियमित प्रयोग

प्रभाव –

"स्मार्ट डिजिटल लर्निंग किट" के नियमित उपयोग से विद्यालय में नामांकन 95 से बढ़कर 145 हो गया और औसत उपस्थिति 65 प्रतिशत से बढ़कर 95 प्रतिशत तक पहुँच गई। पहले घरों में उपलब्ध स्मार्टफोन का उपयोग मुख्यतः सोशल मीडिया और मनोरंजन के लिए होता था, जबकि अब विद्यार्थी क्यू.आर. कोड्स, शैक्षिक वीडियो और एजुकेशनल ऐप्स के माध्यम से घर पर भी नियमित अध्ययन कर रहे हैं तथा उनके अभिभावक भी सीखने की प्रक्रिया में सहभागी बन रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 एवं निपुण भारत मिशन पर आधारित यह किट विद्यार्थियों में भाषा एवं गणितीय दक्षता, रचनात्मकता, तार्किक चिंतन, जिज्ञासा, स्व-अधिगम तथा डिजिटल साक्षरता का विकास करती है। परिणामस्वरूप उनकी तकनीकी दक्षता एवं शैक्षणिक उपलब्धियों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और विद्यालय ने 'निपुण विद्यालय' के रूप में अपनी पहचान स्थापित की है।

रायबरेली जागरण www.jagran.com

संकल्प से सुधरी प्राथमिक विद्यालय की दशा, बच्चों को तकनीक से जोड़ा

आशुतोष सिंह • जागरण

रायबरेली : मेहनत, संघर्ष और समर्पण के सहारे हर मुश्किल काम को आसान किया जा सकता है। कुछ ऐसा ही कर दिखाया है दौतरा प्राथमिक विद्यालय के इंचार्ज प्रधानाध्यापक आशीष प्रताप सिंह ने। पहले विद्यालय को हरा भरा बनाने की ओर कदम बढ़ाए, फिर बच्चों को स्मार्ट क्लास की सुविधा दिलाई। लोग विद्यालय की गतिविधियों के बारे में जान सकें, इसके लिए वेबसाइट बनाई। ग्रामीणों के सहयोग से स्कूल की दशा बदलने का संकल्प पूरा कर रहे हैं।

आशीष प्रताप सिंह

आशीष की विद्यालय में 2018 में तैनाती हुई। उस समय विद्यालय में न तो कोई प्रधानाचार्य था और न ही कोई शिक्षक। दो शिक्षामित्र के सहारे विद्यालय चल रहा था। तैनाती होने के बाद उन्हें इंचार्ज प्रधानाध्यापक बना दिया गया। जिम्मेदारी संभालते ही उन्होंने विद्यालय की सूरत बदलने का प्रयास शुरू किया। सबसे पहले विद्यालय में पौधे रोपित कराकर हरा भरा किया। उसके बाद स्मार्ट क्लास बनाने के लिए प्रोजेक्टर, एलईडी लगवाकर बच्चों की पढ़ाई शुरू कराई। एआर वीआर के जरिए बच्चों को ज्ञान बढ़ाने के प्रयास किया। उन्होंने ग्रामीणों से सहयोग से विद्यालय में लाइब्रेरी बनवाकर 700 किताबें उपलब्ध कराईं। विद्यार्थी यहीं बैठकर पढ़ने के साथ ही किताबें घर भी ले जाते हैं। इन सुविधाओं के कारण विद्यालय की औसत उपस्थिति 97 फीसद तक रहती है।

प्राथमिक विद्यालय दौतरा का बाल पुस्तकालय • जागरण

- विद्यालय की सूरत बदलने के किए हर संभव प्रयास, क्यूआर कोड से मिलेगी जानकारी
- स्मार्ट क्लास के साथ स्कूल की वेबसाइट पर उपलब्ध पूरी जानकारी, लाइब्रेरी की सुविधा

पेड़ में लगे क्यूआर कोड को स्कैन करते विद्यार्थी • जागरण

इंचार्ज प्रधानाध्यापक ने विद्यालयों में जनसहयोग से कई सुविधाएं उपलब्ध कराई, जो विद्यार्थियों के लिए काफी अच्छा है। अन्य शिक्षकों को भी प्रेरित किया जा रहा है कि वह विद्यालयों में जनसहयोग से विद्यालय को बेहतर बनाने का प्रयास करें।

–शिवेंद्र प्रताप सिंह, बीएसए

पौधों पर लगा क्यूआर कोड : विद्यालय में लगे करीब 60 पौधे क्यूआर कोड से युक्त है। इन पौधों के बारे में जानकारी करने के लिए ये पौधा कब लगा, कितने रोपित किया, कौन सा पौधा है, इसकी उपयोगिता क्या है, औषधीय है या नहीं आदि जानकारी क्यूआर कोड स्कैन करते ही पूरी जानकारी आपके सामने होगी।

नगर की महत्वपूर्ण खबरें www.jagran.com पर पढ़ें

विशिष्ट उपलब्धि- विद्यालय में इस किट के नियमित एवं प्रभावी उपयोग से विद्यार्थियों में विभिन्न पर्यावरणीय विषयों के प्रति गहन समझ एवं व्यावहारिक ज्ञान विकसित हुआ। परिणामस्वरूप भारत सरकार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की स्वच्छ एवं हरित विद्यालय प्रतियोगिता (SHVR) 2025–26 के कठोर मूल्यांकन के दौरान विद्यार्थियों ने निर्धारित सभी मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया जिसके आधार पर प्राथमिक विद्यालय दौतरा ऑल इंडिया रैंक–51 प्राप्त कर इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर विजेता बना। इस किट से आए सकारात्मक बदलावों ने राष्ट्रीय मीडिया समूह अमर उजाला द्वारा विद्यालय की डिजिटल शिक्षण यात्रा पर विशेष लघु डॉक्यूमेंट्री तैयार की गई, जिसे देशभर के अनेक विद्यालयों एवं शिक्षकों द्वारा देखा गया।

प्रा0 वि0 दौतरा ने राष्ट्रीय स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग प्रतियोगिता में विजेता बनकर रचा एक नया इतिहास

भारत में 51वीं रैंक प्राप्त कर इस प्रतियोगिता का राष्ट्रीय विजेता बना

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

महराजगंज, रायबरेली। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह ने बताया है कि प्राथमिक विद्यालय दौतरा, विकास क्षेत्र महराजगंज, जनपद रायबरेली ने राष्ट्रीय स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग (SHVR) प्रतियोगिता 2025–26 में विजेता बनकर एक नया इतिहास रच दिया है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के निर्देशन में शैक्षिक सत्र 2025–26 हेतु देश के कक्षा 01 से 12 तक के कुल 14.75 लाख समस्त सरकारी एवं प्राइवेट विद्यालयों में से यह प्रतियोगिता निर्धारित मानकों पर जनपद, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर आकलन कर अंतिम रूप से पूरे

देश के कुल 191 विद्यालयों को इस पुरस्कार हेतु विजेता घोषित किया गया है, जिसमें उत्तर प्रदेश के प्राथमिक विद्यालय दौतरा, विकास क्षेत्र महराजगंज, जनपद रायबरेली ने प्रत्येक स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अब राष्ट्रीय स्तर पर भारत में 51वीं रैंक प्राप्त कर इस प्रतियोगिता का राष्ट्रीय विजेता बन चुका है। उन्होंने बताया है कि विद्यालय की इस अभूतपूर्व सफलता के पीछे शिक्षक आशीष प्रताप सिंह का दूरदर्शी नेतृत्व, नवाचारपूर्ण सोच एवं अथक परिश्रम रहा है। उन्होंने विद्यालय परिवार के शिक्षकों संजीव कुमार बाजपेई, विष्णु साहू, सुषमा पाण्डेय, शेष दत्त गुप्ता के साथ मिलकर टीम वर्क के साथ छात्र-छात्राओं, अभिभावकों, ग्राम प्रधान, ग्राम समुदाय, शिक्षा विभाग, पंचायती राज विभाग तथा समाज के विभिन्न जन प्रतिनिधियों के सहयोग से पिछले 8 वर्षों के निरंतर प्रयासों द्वारा विद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है। उन्होंने बताया कि यह उपलब्धि केवल प्राथमिक विद्यालय दौतरा की ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण रायबरेली जनपद एवं उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा विभाग के लिए गर्व का विषय है। यह सिद्ध करती है कि समर्पण, दूरदर्शिता और टीम वर्क से असाधारण परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने बताया है कि भारत सरकार द्वारा इस प्रतियोगिता के प्रत्येक विजेता हेतु जुलाई माह में नई दिल्ली में सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा जिसमें प्रत्येक विद्यालय को प्रशस्ति प्रमाण पत्र (Certificate of Merit) के साथ 01 लाख रूपये की अतिरिक्त अनुदान राशि भी प्रदान की जाएगी। प्रधानाचार्य/हेड मास्टर को शैक्षिक एक्सपोजर विजिट पर भी भेजा जायेगा। उन्होंने प्राथमिक विद्यालय दौतरा की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर समस्त विद्यालय परिवार, ग्राम समुदाय एवं जनपद रायबरेली को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी। उन्होंने कहा है कि दौतरा से दिल्ली तक गूंजा नाम, राष्ट्रीय जीत ने रायबरेली व उत्तर प्रदेश का सम्मान बढ़ाया है।